



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ६४]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी १४, १९७२/माघ २५, १८९३

No. 64]

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 14, 1972/MAGHA 25, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 14th February 1972

G.S.R. 89(E).—In exercise of the powers conferred by section 15 of the Government Savings Banks Act, 1873 (5 of 1873) and of all other powers hereunder enabling, the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Post Office Savings Banks Rules, 1965, namely:—

1. These rules may be called the Post Office Savings Banks (Amendment) Rules, 1972.

2. In the Post Office Savings Banks Rules, 1965, in the Table below rule

(i) in item "(1) Single Account",

(a) against clause (a),

(1) under the heading "Maximum balance", for the figure "25,000", the following shall be substituted, namely:—

"25,000 in an account or in all the accounts taken together if a depositor has more than one account";

(2) under the heading "No. of accounts that can be opened", for the word "One", the words "any number of accounts, but not more than one at any Post Office Savings Bank" shall be substituted;

(b) the Note shall be numbered as Note 1 and after Note 1 as so numbered, the following Note shall be inserted, namely:—

"Note 2—A depositor, at the time of opening a Single Account shall furnish full particulars of the Post Office Savings Bank accounts already opened by him and shall also give an undertaking that the total balance in all the accounts taken together will not, at any time, exceed the limit of Rs. 25,000";

(ii) in item "(2) Joint Account",

(a) under the heading "Maximum balance", for the figure "50,000", the following shall be substituted, namely:—

"50,000 in an account or if the depositors have more than one account, in all the accounts taken together";

(b) under the heading "No. of accounts that can be opened", for the word "One", the words "Any number of accounts, but not more than one at any Post Office Savings Bank" shall be substituted;

(c) the Note shall be numbered as Note 1 and after Note 1 as so numbered the following Notes shall be inserted, namely:—

"Note 2.—The depositors, at the time of opening a Joint Account, shall furnish particulars of all the Joint Accounts already opened by them and shall also give an undertaking that the total balance in all the Joint Accounts taken together will not, at any time, exceed the limit of Rs. 50,000.

Note 3.—Either of the two adults who open a Joint Account under this rule cannot have any Joint Account with any other third person."

[No. F. 3(17)-NS/70.]

B. MAITHREYAN,
Jt. Secy. (Budget).

वित्त संचालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नयी दिल्ली, 14 फरवरी 1972

सा० का० नि० 89(अ).—सरकारी बचत बैंक अधिनियम, 1873 (1873 का 5) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का, और इस निमित्त समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, डाकघर बचत बैंक नियम, 1965 में और संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. इन नियमों का नाम डाकघर बचत बैंक (संशोधन) नियम, 1972 होगा।
2. डाकघर बचत बैंक नियम, 1965 में, नियम 3 के नीचे की भाषा में—

(1) '1) एकल खाता' मद में,

(क) खण्ड (क) के सामने,

- (1) “अधिकतम अतिशेष” शीर्षक के नीचे, “25,000” अंक के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
“एक खाते में या यदि निक्षेपक के एक से अधिक खाते हों तो एक साथ मिलाकर सभी खातों में 25,000” ;
- (2) “खातों की संख्या जो खोले जा सकते हैं” शीर्षक के नीचे, “एक” शब्द के स्थान पर, “खातों की कोई भी संख्या, किन्तु किसी डाकघर बचत बैंक में एक से अधिक नहीं” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;
- (ख) टिप्पण, टिप्पण 1 के रूप में संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार संख्यांकित टिप्पण 1 के पश्चात्, निम्नलिखित टिप्पण अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

टिप्पण 2 :—निक्षेपक, कोई एकल खाता खोलते समय, अपने द्वारा पहले खोले गए डाकघर बचत बैंक खातों की पूरी विनिर्दिष्ट देगा और यह बचतद्व भी करेगा कि किसी समय एक साथ मिलाकर सभी खातों में कुल अतिशेष 25,000 रु० से अधिक न होगा ;

(11) “(2) संयुक्त खाता” मद में,

(क) “अधिकतम अतिशेष” शीर्षक के नीचे, “50,000” अंक के स्थान पर, निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“एक खाते में या यदि निक्षेपक के एक से अधिक खाते हों तो एक साथ मिलाकर सभी खातों में 50,000 ;

(ख) “खातों की संख्या जो खोले जा सकते हैं” शीर्षक के नीचे, “एक” शब्द के स्थान पर, “खातों की कोई भी संख्या, किन्तु किसी डाकघर बचत बैंक में एक से अधिक नहीं” शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे ;

(ग) टिप्पण, टिप्पण 1 के रूप में संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार संख्यांकित टिप्पण 1 के पश्चात् निम्नलिखित टिप्पण अन्तःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

टिप्पण 2 :—निक्षेपक, कोई संयुक्त खाता खोलते समय, अपने द्वारा पहले खोले गए सभी संयुक्त खातों की विनिर्दिष्ट देगा और यह बचतद्व भी करेगा कि किसी भी समय एक साथ मिलाकर सभी संयुक्त खातों में कुल अतिशेष 50,000 रु० से अधिक न होगा ।

टिप्पण 3 :—ऐसे दो व्यक्तियों में से कोई भी व्यक्ति, जो इस नियम के अधीन कोई संयुक्त खाता खोलते हैं, किसी अन्य तीसरे व्यक्ति के साथ कोई संयुक्त खाता नहीं खोल सकता ।

[सं० फा० 3 (17)-एन० एम०/70]

वी० सेवेशन,
संयुक्त सचिव (वज्र) ।

